Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 10 नवंबर, 2021

वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार

सरकार ने वाइस एडमिरल 'आर. हरि कुमार' को नौसेना स्टाफ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। मौजूद नौसेना प्रमुख एडमिरल 'करमबीर सिंह' 30 नवंबर, 2021 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 12 अप्रैल, 1962 को जन्मे वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार को 1 जनवरी, 1983 को भारतीय नौसेना की कार्यकारी शाखा में नियुक्त किया गया था। लगभग 39 वर्षों की अपनी लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान, उन्होंने विभिन्न कमांड, स्टाफ और निर्देशात्मक नियुक्तियों पर काम किया है। वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार ने आईएनएस निशंक, मिसाइल कार्वेट, आईएनएस कोरा और गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर आईएनएस रणवीर पर कार्य किया है। साथ ही उन्होंने भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोत आईएनएस विराट पर भी बतौर कमांडर अपनी सेवाएँ प्रदान की हैं। उन्होंने पश्चिमी बेड़े के संचालन अधिकारी के रूप में भी कार्य किया। वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार ने 'नेवल वॉर कॉलेज' (अमेरिका), आर्मी वॉर कॉलेज (महू) और रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज़ (यूके) में अध्ययन किया है। वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार को परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया गया है।

'लॉजिस्टिक्स ईज़ अक्रॉस डिफिरेंट स्टेट्स' इंडेक्स

सरकार द्वारा जारी हालिया 'लॉजिस्टिक्स ईज़ अक्रॉस डिफिरेंट स्टेट्स' (LEADS) इंडेक्स के मुताबिक, गुजरात, हरियाणा और पंजाब, 'माल' (Goods) की गतिशीलता और रसद शृंखला की दक्षता के मामले में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्य हैं। इसके अलावा शीर्ष पाँच राज्यों की सूची में तमिलनाडु और महाराष्ट्र भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और झारखंड ने वर्ष 2019 की रैंकिंग की तुलना में उल्लेखनीय सुधार किया है और शीर्ष सुधारकर्त्ता के रूप में उभरे हैं। वर्ष 2018 में लॉन्च किया गया 'लॉजिस्टिक्स ईज अक्रॉस डिफिरेंट स्टेट्स' (LEADS) इंडेक्स वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है और यह राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को माल व्यापार को बढ़ावा देने हेतु प्रदान किये गए लॉजिस्टिक समर्थन के मामले में रैंक प्रदान करता है। यह रैंकिंग अन्य मापदंडों के साथ-साथ मूल्य निर्धारण की प्रतिस्पर्द्धात्मकता, समयबद्धता, बुनियादी अवसंरचना की उपलब्धता और सेवाओं की उपलब्धता जैसे मापदंडों पर आधारित है। इसका उद्देश्य राज्यों को उनके लॉजिस्टिक्स से संबंधित बुनियादी अवसंरचना में सुधार के लिये नीतिगत प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु प्रोत्साहित करना है।

'4660 नेरेस' एस्ट्रॉयड

हाल ही में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी '[नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन एजेंसी](#)' (NASA) ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि '4660 नेरेस' नामक एक एस्ट्रॉयड/क्षुद्रग्रह पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। यह एस्ट्रॉयड फुटबॉल पिच के आकार से लगभग तिगुना बड़ा और एफिल टॉवर जितना लंबा है। नासा द्वारा '4660 नेरेस' एस्ट्रॉयड को 'संभावित रूप से खतरनाक क्षुद्रग्रह' (PHA) के रूप में वर्गीकृत किया गया है। नासा के एस्टेरॉयड मॉनिटर के मुताबिक, यह 11 दिसंबर के आसपास पृथ्वी के करीब पहुँचेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, पृथ्वी से क्षुद्रग्रह की दूरी 3.9 मिलियन किलोमीटर यानी पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी से 10 गुना होगी। यह क्षुद्रग्रह 330 मीटर लंबा है। वर्ष 1982 में अमेरिकी खगोलशास्त्री' एलेनोर एफ. हेलिन' द्वारा खोजा गया यह उपग्रह कथित तौर पर क्षुद्रग्रहों के 'अपोलो समूह' का सदस्य है, जो सूर्य की परिक्रमा करते हैं। यह क्षुद्रग्रह मार्च 2031 और नवंबर 2050 में भी पृथ्वी के करीब से गुज़रेगा।

श्रमिक मित्र योजना

दिल्ली सरकार ने निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों की सहायता के लिये हाल ही में 'श्रमिक मित्र' योजना शुरू की है। यह योजना सुनिश्चित करेगी कि सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण श्रमिकों तक पहुँचे। ध्यातव्य है कि श्रमिकों के लाभ के लिये सरकार द्वारा कई योजनाएँ विकसित की जाती हैं, लेकिन अधिकांश श्रमिकों को इनके विषय में ज्ञान ही नहीं होता है। ऐसे में इस कार्यक्रम का उद्देश्य श्रमिकों को इन योजनाओं के लाभों से अवगत कराना है। 'श्रमिक मित्र' योजना के तहत सरकार निर्माण श्रमिकों तक पहुँचकर उन्हें विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देगी। इस कार्य के लिये कुल 800 'श्रमिक मित्रों' की नियुक्ति की जाएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-10-november-2021